जनजातीय विशेष

राज्य की प्रमुख जनजतियों का विस्तृत विवरण

1.गोंड़ (Gond)

- गोंड़ जनजाति छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी जनजाति है।
- गोंड़ जनजाति का मूल नाम 'कोड़' तेलगु भाषा से निकला है। जिसका अर्थ पर्वत होता है।
- गोंड़ स्वयं को 'कोयतोर' कहते है। जिसका अर्थ होता है पर्वतवासी।
- गोंड में मृतक संस्कार के समय, तीसरे दिन "कोज्जी" व दसवें दिन "कुण्डा" मिलन संस्कार होता है।

- ❖ छ.ग. की सबसे बड़ी जनजाति समूह गोंड़ जनजाति है। जिसकी छ.ग. में सर्वाधिक 41 उपजातियाँ पाई जाती है।
- ❖ मेघनाद पर्व गोंड़ जनजाति से संबंधित है।
- ❖ राजगोंड़ सबसे श्रेष्ठ गोंड़ होते हैं।

2. अबूझमाड़िया (abujhmadiya):–

अबूझमाड़िया गोंड़ जनजाति की उपजाति हैं।

- ❖ कृषि पद्धति – पेद्दा तथा कृषि भूमि को कघई कहते है।
- ❖ अबूझमाड़ का अर्थ – 'अज्ञात'।
- ❖ कौमार्य संस्कार – कांडाबरा (पुष्प विवाह) नामक संस्कार

अभी भी एक आदिम जीवन शैली अपना रही है।

3. बिरहोर (Birhor) :–

बिरहोर का सामान्य अर्थ बनचर होता है।

AZAD CGPSC ACADEMY

4. बैगा (Baiga) :–

- ❖ कार्य – बैगा जनजाति गोंड़ों के पुजारी (पुरोहित) के रूप में
- ❖ महिलाओं का वस्त्र – कपची
- ❖ प्रमुख भाजी – केवलाल नामक वृक्ष की पत्ती
- ❖ सर्वाधिक गोदना प्रिय जनजाति – बैगा (झेला गोदना)
- ❖ बैगा जनजाति की महिलाएँ मांथे में गोदना गोदवाती है।

5. कोरवा (Korva)

- ❖ मृत संस्कार – 'नवाघाती' / नवाधानी
- ❖ प्रसव के लिए निर्मित झोपड़ी – कुम्बा
- ❖ क्रियाकर्म के समय 'कुमारी भात' की परम्परा।
  शरीर पर आग से दाग कर निशान बनाते हैं, जिस 'दरहा' कहते है। (पांच वर्ष की आयु में 10–18 निशान)

AZAD CGPSC ACADEMY

6. कमार (Kamar)

- ❖ घर में मृत्यु होने पर घर का त्याग कर देते हैं।

- कमार जनजाति के दो उपवर्ग हैं –
  1. बुधरजिया
  2. मकाड़िया
- बुधरजिया बंदर मांस नही खाते हैं जबकि मकाड़िया बंदर मांस खाते हैं।
- घोड़ा छूना निषेध।
- यह गोंडों का कए उप–जाति है। कचना धुरवा को आदिपुरूष मानते है।

7. भुंजिया (Bhunjiya):–

- भुजिया जनजाति के लोग रोग का इलाज तपते लोहों से दाग कर सकते हैं।
- भुंजिया जनजाति का लाल बंगला से आशय रसोई घर से हैं।
- विवाह पूर्व हर लड़की का कांड विवाह कराया जाता है जिसे कांडाबरा कहते हैं।
- विवाहित महिलाएँ सफेद साड़ी पहनती हैं
- कछुवा विशेष पूजनीय है।

AZAD CGPSC ACADEMY

8. माड़िया जनजाति :–

- ❖ मकान – वैडु कुरमा (Vendu Kurma)
- ❖ सिहारी – इस प्रजाति के लोग जंगल में एक पृथक झोपड़ी बनाकर रहते हैं जिसे सिहारी कहा जाता है।
- ❖ स्मृति स्तंभ – हनालगट्टा (स्मृति स्तंभ) एवं मृतक स्तंभ स्थापित करने की परम्परा है।
- ❖ अबूझमाड़िया अपनी उत्पत्ति पौराणिक पूर्वज कुर्सटुरंगा से मानते है।

9. पण्डो (Pando) :–

- ❖ ये अपने आप को पाण्डवों के वंश जोड़ते हैं।
- ❖ उपसमूह – सरगुजिहा और उतरांश
- ❖ विवाह – बरोखी

10. मुड़िया/मुरिया जनजाति :–

- ❖ कृषि – मुड़िया स्थायी कृषि कहते हैं। (जबकि माड़िया पेद्दा कृषि)

AZAD CGPSC ACADEMY

यह जनजाति सांस्कृतिक रूप से एक समृद्धशाली जनजाति है।

❖ बोली – मुरिया (कोईतुर)

11. हल्बा (Halba)

❖ मुख्य व्यवसाय – कृषि कार्य ।

– पोहा/चिवड़ा बनाने का भी कार्य करते है।

– आर्थिक रूप से सबसे समृद्ध जनजाति है।

– कबीर पंथ का प्रभाव

❖ 2011 के जनगणना के अनुसार सबसे साक्षर जनजाति

– हल्बा (76.2%)> परधान (70.7%)> उरांव(68.9%)

AZAD CGPSC ACADEMY

12. उराँव (Uraon)

❖ प्रमुख पर्व – खट्टी, सरहुल एवं फाग

❖ पारंपरिक पोशाक – करेया

❖ गाथा महाकाव्य – कड़खडण्डी

13. बिंझवार (Binjhwar)

❖ नामकरण – विन्ध्य पर्वत के मूल निवासी होने के कारण बिझवार कहा जाता है।

❖ भाषा – छत्तीसगढ़ी

❖ जाति चिह्न – तीर

❖ विशेष – सोनाखान (बलौदाबाजार) के वीरपुत्र, शहीद वीरनारायण सिंह इसी जनजाति से संबंधित थे ।

14. कोरकू (Korku) :–

❖ शाब्दिक अर्थ – "जमीन खोदने वाला"

❖ विशेष – मृतक संस्कार में सिडोली प्रथम प्रचलित है, जिसमें मृतकों को दफनाया जाता है व लकड़ी का स्तम्भ गाड़ते है।

– खंभस्वांग कोरकू जनजाति द्वारा किया जाता है।

AZAD CGPSC ACADEMY

15. भतरा (Bhatra):–

- ❖ अर्थ – सेवक
- ❖ बोली – भतरी
- ❖ भतरा जनजाती द्वारा शिकार देवी की पूजा करते हैं, जिसे मोतीदेव के नाम से भी जाना जाता है।
- ❖ चौदहवीं शताब्दी में काकतीय वंश के संस्थापक राजा अन्नमदेव के साथ बांरगल से बस्तर आये थे।
- ❖ इस जनजाति के नाम पर 'भतरानाट' प्रसिद्ध है।

16. कोया/दोरला/कोयतूर :–

- ❖ बोली – डोरली (सुकमा क्षेत्र में)
- ❖ नृत्य – पैडुल नृत्य (विवाह नृत्य)

AZAD CGPSC ACADEMY

17. भारिया :–

- ❖ निवास स्थान – ढाना
- ❖ बोली – भरनोटी या भारियाटी
- ❖ कुल देवता – बूढ़ादेव और नागदेव है।
- ❖ ग्राम सीमा पर मुठवा बाबा का चबूतरा होता है।

18. परधानः–

- ऐतिहासिक विवरण के अुसार ये जाति गोंड़ राजाओं के मंत्री हुआ करते थे, जिन्हें "पटरिया" भी कहा जाता है।
- ये गोंड राजाओं के गीत गायक भी थे, जिसके कारण गाथावाचक के रूप में माना जाता है।
- परधान लिंगोपाटा गायन करते हैं।

19. कंवर – महिरागुरू कवंर समुदाय के थे

- मुख्य कार्य – सैन्य कार्य
- विशेष – यह जनजाति समुदाय स्वयं को कौरवों का वंशज मानता है।
  – इनके टोटम समूहों को "गौटी" कहते है ।
  – पाइक, कंवर जनजाति से संबंधित है।

AZAD CGPSC ACADEMY

20. मंझवार

- ❖ यह मिश्रित जनजाति है जिसकी उत्पत्ति गोंड, मुंडा और कंवर जनजाति से हुई है।

21. खड़िया :–

- ❖ बोली – खड़िया
- ❖ कार्य – पालकी ढोने का
- ❖ विशेष – यह आदि कोलारियन जनजाति है।

22. गदबा या गड़ाबा

- ❖ विशेष – जनश्रुति अनुसार काकतीय शासक महिपाल देव ने पालकी ढोने के कार्य के लिए इनको लाया था।
  - – गोदावरी से संलग्न के कारण गदबा नाम पड़ा।
  - – यह जनजाति धुरवा जनजाति से मिलती –जुलती संस्कृति वाली जनजाति है।
  - – इस जनजाति में भी घोड़े को छुना पाप माना जाता है।

AZAD CGPSC ACADEMY

23. खैरवार :–

- ❖ कार्य – खैर वृक्ष से कत्था निकालने

24. परजाः–

- ❖ ग्राम मुखिया – मड़ूली (जिसके घर के सामने एक पत्थर का देवता निशान– मुण्डा होता है)जहाँ पर पंचायत/चौपाल लगता है
- ❖ चौपाल – बिरयाना मुण्डा
- ❖ विशेष – परजा जनजाति में धार्मक कार्य करने वाला "जानी" जबकि शुद्धिकरण करने वाला "भटनायक" कहलाता है।

25. अगरिया :–

- ❖ कार्य – लोहे गलाने का व्यवसाय
- ❖ विशेष – उड़द दाल का विशेष महत्व है।

AZAD CGPSC ACADEMY

26. पारधी (Pardhi):–

- ❖ विशेष – यह जनजाति अपना जीविकोपार्जन हेतु काले पक्षियों का आखेट करती है।

27. सौंरा (Saura)

- ❖ कार्य – सांप पकड़ना

28. सौंता

- ❖ विशेष – ये लोग बालक लोढ़ा को अपना पूर्वज मानते है।

29. कोंध

- ❖ निवास – रायगढ़ क्षेत्र
- ❖ बोली – कुई
- ❖ विशेष – यह जनजाति खोंड या कोण्ड नाम से जाती जाती है।

AZAD CGPSC ACADEMY

30. नगेशिया

- ❖ बोली – रायगढ़, बलरामपुर, जशपुर और सरगुजा जिलों में
- ❖ उपजाति – सेन्दुरिया, तेलहा, धुरिया
- ❖ विशेष – ये स्वयं को किसान कहते हैं।

31. धनवार

- ❖ कार्य – बांस बर्तन बनाने का
- ❖ अर्थ – धनुर्धारी

33. कोल

- ❖ कार्य – कोयला खनन
- ❖ विशेष – प्राचीन ग्रंथों में उल्लेख हैं, शबरी से संबंधित है।
- ❖ पंचायत प्रमुख – गोहिया, गोतिया

AZAD CGPSC ACADEMY

Online/ Offline Batch

IAS,UPPCS, RO/ARO, BPSC, UKPSC, CGPSC, MPPSC, RPSC, JPSC Exam की आसान भाषा में सम्पूर्ण तैयारी के लिए Azad IAS Academy App Download कीजिए

www.azadiasacademy.com

M.9115269789

Our Publication

अब आप सभी घर बैठे ही IAS,UPPSC,BPSC, MPPSC, RAS,CGPSC,UKPSC,JPSC,UPSSSC Exam एवं सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की बुक आर्डर कर सकते है, समग्र भारत में पुस्तकों की Delivery उपलब्ध है,

www.azadpublication.com

M.8929821970

Our Foundation

Azad Publication, Azad Group का Charitable Trust है जिसका मुख्य लक्ष्य राष्ट्र की सामाजिक समस्याओं के निदान के निदान हेतु प्रखर रूप से कार्य करना हेतू हैं एवं पर्यावरण संरक्षण, पशु सेवा, आपदा रहित, शिक्षा, स्वास्थएवं विभिन्न जन समस्याओं का जन जागरूकता के माध्यम से राष्ट से में अग्रणी भूमिका निभानी हैं।

www.azadfoundation.net

Unitofazadgroup@gmail.com

AZAD CGPSC ACADEMY